अभ्यास प्रश्नपत्र (2021-22) (सेट-1)
कक्षा 12 हिंदी ऐच्छिक (002)

सामान्य निर्देश:-

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्नपत्र में तीन खंड हैं- खंड-क, खंड-ख और खंड-ग ।
- इस प्रश्नपत्र में कुल 7 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड-क में अपठित बोध (गद्यांश व काव्यांश) से संबंधित कुल प्रश्न सं. 1 से 36 तक हैं, जिसमे से प्रत्येक (गद्य एवं पद्य) में से कुल 18 प्रश्नों को हल कीजिए ।
- खंड- ख में पाँच प्रश्न हैं जिनकी क्रम सं. 37 से 41 है। इन सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड-ग में तीन प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रश्न सं. 42 से 51 है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- प्रश्न सं. 52 से 57 में से किन्हीं चार (4) प्रश्नों को हल कीजिए।
- प्रश्न सं. 58 से 62 में से किन्हीं तीन (3) प्रश्नों को हल कीजिए।
- सभी प्रश्नों की अंकभारिता समान है, अर्थात 1x 40 = 40 अंक
- सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खंड - क

(अपठित अंश) **अंक-18**

I. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x10=10

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्राय: बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अकसर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो ना सिर्फ सफलता प्राप्त होती है ,बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को

अवरोध नहीं बल्कि ताकत बना लिया। 'सुख-दुख, सफलता -असफलता, शांति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।' जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यू द हीलर' में लिखते हैं कि मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।

दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे तो वे और बड़ी महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान ध्यान केंद्रित करेंगे, तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि 'जितना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी आदत ही है।'

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए ।

[1] दबाव में कार्य करने पर व्यक्ति .... हो जाता है ।

[क]आलसी [ख]सक्रिय

[ग]नकारात्मक [घ]मूर्ख

[2] अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बना लेने का क्या परिणाम होता है

[क] सफलता प्राप्त होती है [ख] शरीर में ताकत आ जाती है

[ग] नकारात्मकता आती है [घ] कमजोरी और बढ़ जाती है

[3] हमें समस्याओं के बजाय कहाँ ध्यान केंद्रित करना चाहिए ?

[क] अपनी कमजोरियों पर [ख] शक्तियों पर

[ग] वातावरण पर [घ] पुस्तकों पर

[4] 'लोगों ने अपने कार्य के दबाव को अवरोध की जगह ताकत बना लिया।' रचना के आधार पर वाक्य है-

[क] इच्छा वाचक [ख] संदेह वाचक

[ग] मिश्र वाक्य [घ] सरल वाक्य

[5]सफलता में प्रत्यय है-

[क] सा [ख] फल

[ग] स [घ] ता

[6] सुख-दुख, शांति- क्रोध और क्रिया -कर्म किस पर निर्भर करते हैं?

[क]वातावरण पर [ख]दृष्टिकोण पर

[ग]आर्थिक स्थिति पर [घ]दबाव पर

[7]'यू द हीलर ' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

[क] हेनरी सिल्वा [ख] जोस केनरी

[ग] हेनरी केनरी [घ]जोस सिल्वा

[8] दबाव में ....होकर ही व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है ।

[क] सकारात्मक [ख] स्वाबलंबी

[ग] कार्यरत [घ] इनमें से कोई नहीं

[9] लेखक के अनुसार हारना क्या है ?

[क] कोशिश [ख] आदत

[ग] चुनौती [घ] प्रक्रिया

[10] समस्याओं के बारे में लगातार सोचने का क्या परिणाम होगा ?

[क] स्वयं समाप्त हो जाएँगी [ख] ज्यों की त्यों रहेंगी

[ग] हमें परेशान करती रहेंगी [घ] और बढ़ जाएंगी

अथवा

संवाद में दोनों पक्ष बोले यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में, अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है।

बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल भर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले ,अंतरराष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है कि एक- दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ।श्रोता उन्हें कान से सुने और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है ,तभी समस्याएँ सुलझने की

संभावना बढ़ती है और कम से कम यह समझ में आता है कि अगले के मन के परतों के भीतर है क्या?

सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन हमे संवाद की आत्मा तक नही पहुँचने देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था - "सुनि इठलैहैं लोग सब ,बाँटि न लैहैं कोय। "ध्यान और धैर्य से सुनना संवाद की सफलता का मूलमंत्र है।

संवेदनशील लोग तो पेड़- पौधों से ,नदी -पर्वतों से, पशु -पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था- "क्या आपने सीता को देखा?" और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत सम्भावनाओं को समझा जाना चाहिए।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए।

[11] उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा -

[क] संवाद का महत्व

[ख] संवाद हीनता

[ग] संवाद की असफलता

[घ]संवाद की शून्यता

[12]'संवाद हीनता से क्या तात्पर्य है?

[क]परस्पर वार्तालाप का अभाव

[ख] बात को धैर्यपूर्वक सुनना

[ग]संवाद की गम्भीरता

[घ] इनमें से कोई नहीं

[13] भाव स्पष्ट कीजिए, "यह उतावलापन हमे संवाद की आत्मा तक नही पहुँचने देता।"

[क] उतावलापन संवाद की आत्मा है

[ख] बात को धैर्य सुने व समझे बिना बोलने की शीघ्रता संवाद की गम्भीरता को नष्ट कर देती है

[ग] संवाद का मूलमंत्र है -उतावलापन

[घ] इनमें से कोई नहीं

[14] दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकारी होता है ?

[क] अच्छे श्रोता के रूप में

[ख] समाधान प्राप्तकर्ता के समय

[ग]विचार के रूप में

[घ] उपरोक्त सभी

[15] सुनना कौशल की विशेषता है -

[क] अधीर होना

[ख] धैर्यवान होना

[ग] बेबाक होना [घ] वाचाल होना

[16] हम संवाद की आत्मा तक प्रायः क्यों नहीं पहुँच पाते ?

[क] सजगता के अभाव में [ख] समाधान सुझाने के उतावलेपन के कारण

[ग] अधीरता के कारण [घ] उपरोक्त सभी

[17] रहीम के कथन का आशय समझाइए -

[क] दूसरों की समस्या सुनकर लोग हँसते हैं

[ख] दूसरों की परेशानी का मज़ाक बनाते हैं

[ग] दूसरों के दर्द को कम करते हैं

[घ] दूसरों के दर्द को बढ़ाते हैं

[18] राम का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

[क] संवाद की अनंत संभावनाओं को समझने के लिए

[ख] एक -दूसरे से संवाद करने के लिए

[ग] केवट से संवाद के लिए

[घ] इनमें से कोई नहीं

[19]पेड़- पौधों से ,नदी -पर्वतों से ,पशु -पक्षियों से कौन संवाद कर लेता हैं।

[क] वाक् पटु लोग

[ख] चमत्कारी लोग

[ग]संवेदनशील लोग

[घ] चालाक लोग

[20] 'झंडे गाड़ना' मुहावरे का अर्थ है -

[क] प्रभुत्व स्थापित करना [ख] अपनी बात मनवाना

[ग] झंडे को गाड़ना [घ] भावपूर्वक बातें करना

II. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। <u>किसी एक</u> काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x8=8

जो नहीं हो सके पूर्ण -काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम!

कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य- भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त तूणीर हुए
-उनको प्रणाम !
जो छोटी - सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि -पार
मन की मन में ही रही ,स्वयं
हो गए उसी में निराकार
-उनको प्रणाम !
जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह- रह, नव -नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
-उनको प्रणाम !
कृत- कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फाँसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं ,फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
-उनको प्रणाम !

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए ।

[21] समाज किन लोगों को भुला चुका है ?

[क] देश की स्वतंत्रता के लिए, समाज की भलाई के लिए प्राणों को दाँव पर लगाने वालों को

[ख] समाज में खूब धन कमाने वालों को

[ग] वीर, प्रतापी राजाओं को

[घ] माता-पिता का आदर सम्मान करने वालों को

[22] छोटी -सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का महत्व है -

[क] ये गलत प्रयासों से लोगों को सीख देते हैं ।

[ख] इनके कारण ही नई खोजें और बड़े परिवर्तन होते हैं ।

[ग] यह लोगों को बड़ी नाव लेने का संदेश देते हैं ।

[घ] यह लोगों को सागर में ना जाने को सचेत करते हैं ।

[23] 'हिम समाधि' से अभिप्राय है-

[क] बर्फ पर बैठकर तपस्या करना

[ख] बर्फ में जम जाना

[ग] अपनी जान गँवाना

[घ] उपर्युक्त सभी

[24] कवि ने यहाँ किन लोगों को प्रणाम किया है ?

[क] सफल लोगों को

[ख] निराशा से भरे लोगों को

[ग] असफल परंतु कर्मशील लोगों को

[घ] दीन हीन गरीब लोगों को

[25] उच्च शिखर की ओर बढ़ने से कवि का क्या अभिप्राय है ?

[क] सफलता की ओर बढ़ना

[ख] ऊँचाई पर चढ़ना

[ग] पहाड़ पर चढ़ना

[घ] दीन हीन गरीब लोगों को

[26] कवि किनके प्रयासों की बात कर रहे हैं ?

[क] लेखकों की

[ख] स्वाधीनता सेनानियों की

[ग] सैनिकों की

[घ] वैज्ञानिकों की

[27]' उदधि' शब्द का अर्थ है -

[क] नदी

[ख] झरना

[ग] नहर

[घ] समुद्र

[28] 'रह-रह', 'नव-नव' में कौन सा अलंकार है?

[क] मानवीकरण [ख] पुनरुक्ति प्रकाश

[ग] अतिशयोक्ति [घ] रूपक

अथवा

गुलाब का फूल है हमारा पढ़ा - लिखा
मैंने उसे काफी उलट-पुलट कर देखा है
मुझे तो वह ऐसा ही दिखा
सबसे बड़ा सबूत उसके गुलाब होने का यह है
कि वह गाँव में जाकर बसने के लिए तैयार नहीं है
गाँव में उसकी प्रदर्शनी कौन कराएगा
वहाँ वह अपनी शोभा की प्रशंसा किससे कराएगा
वह फूलने के बाद किसी फसल में थोड़े ही बदल जाता है
मूर्ख किसान को फूलने के बाद
फसल देने वाला ही तो भाता है
गाँव में इसलिए ठीक है अलसी और सरसों के फूल ।
बीच-बीच में यह प्रस्ताव कि गुलाब गाँव में चिकित्सा करें या पढ़ाए
पेश करने में कोई हर्ज नहीं है
मगर साफ समझ लेना चाहिए कि गुलाब का यह फर्ज नहीं है कि
गाँव जाकर खिले, अलसी और सरसों वगैरा से मिले
ढँक जाए वहाँ की धूल में
और वक्त -बेवक्त अपनी प्रदर्शनी न कराए
आमीन गुलाब पर ऐसा वक्त कभी ना आए ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए ।

[29] कवि ने किसे मूर्ख कहा है ?

[क] गुलाब को [ख] किसान को

[ग] सरसो को [घ] पढ़े -लिखे शहरी को

[30] पढ़ा- लिखा गुलाब कहाँ जाकर बसने को तैयार नहीं है ?

[क] शहर में [ख] कस्बे में
[ग] महानगर में [घ]गाँव में

[31] कवि के अनुसार गुलाब का निम्न में से क्या फ़र्ज़ नही है

[क] वह गाँव में जाकर खिले

[ख] अलसी सरसों वगैरा से मिले

[ग] वहाँ की धूल से ढक जाए

[घ] उपरोक्त सभी

[32] 'बीच-बीच' में कौन सा अलंकार है

[क] अनुप्रास यमक [ख] पुनरुक्ति प्रकाश
[ग] यमक [घ] उपमा

[33] गुलाब किसका प्रतीक है ?

[क] पढ़े लिखे शहरी लोगों का , जो गाँव में आकर कार्य करना चाहते हैं

[ख] पढ़े लिखे शहरी लोगों का ,जो गाँव में आकर कार्य नहीं करना चाहते

[ग] अमीर लोगों का

[घ] उपरोक्त सभी

[34] कवि के अनुसार गाँव के लिए क्या ठीक है?

[क] गुलाब

[ख] अलसी

[ग] सरसों

[घ] ख और ग दोनों

[35] कवि के अनुसार गुलाब गाँव के लिए उपयुक्त क्यों नहीं है ?

[क] उसे किसान पसंद नहीं करते

[ख] क्योंकि उसके फूल फसल में नहीं बदलते

[ग] गुलाब अमीर लोगों का प्रतीक है

[घ] गुलाब केवल प्रदर्शनी के लिए होता है

[36] गुलाब का फर्ज नहीं है -

[क] गाँव जाकर खिले

[ख] अलसी और सरसों वगैरह से मिले

[ग] वहाँ की धूल में ढँक जाए

[घ] उपरोक्त सभी

खंड-ख

(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन) **अंक-5**

III. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए- 1x5=5

[37] दृश्यों के आधार पर घटना की जानकारी देने वाला एंकर क्या कहलाता है ?

[क] एंकर [ख] बीट एंकर

[ग] एंकर विज़ुअल [घ] फ्लैश एंकर

[38] विभिन्न प्रकार के समाचार खोज कर अखबार को भेजने वाला व्यक्ति क्या कहलाता है ?

[क] संपादक [ख] रीडर

[ग] संवाददाता [घ]प्रकाशक

[39] समाचार के प्रारंभिक अंश को क्या कहते हैं ?

[क]इंट्रो [ख]बॉडी

[ग]ककार [घ]यह सभी

[40] ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई ?

[क] 1935 [ख]1936

[ग] 1836 [घ] 1856

[41] किसी विशेष मुद्दे के पक्ष में जनमत तैयार करने हेतु चलाया गया अभियान क्या कहलाता है?

[क] एनकोडिंग [ख] वॉच डॉग पत्रकारिता

[ग] एडवोकेसी पत्रकारिता [घ] फ्रीलांसर

खंड - ग

(पाठ्य पुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक) अंक-17

IV. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित दिए गए पाँच प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए-

1x5=5

जब हम सत्य को पुकारते हैं
तो वह हम से परे हटता जाता है
जैसे गुहारते हुए युधिष्ठिर के सामने से
भागे थे विदुर और भी घने जंगलों में
सत्य शायद जानना चाहता है
कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं
कभी दिखता है सत्य
और कभी ओझल हो जाता है
और हम कहते रह जाते हैं कि रुको यह हम हैं
जैसे धर्मराज के बार-बार दुहाई देने पर
कि ठहरिये स्वामी विदुर स्वामी विदुर
यह मैं हूँ आपका सेवक कुंतीनंदन युधिष्ठिर
वे नहीं ठिठकते

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए ।

[42] काव्यांश के कवि व कविता का नाम है -

[क] विष्णु खरे द्वारा रचित सत्य [ख] विष्णु खरे द्वारा रचित एक कम

[ग] रघुवीर सहाय द्वारा रचित सत्य [घ] विष्णु खरे द्वारा रचित कुंतीनंदन युधिष्ठिर

[43] सत्य की अनुभूति के लिए ....की आवश्यकता है ।

[क] वार्तालाप [ख] दृढ संकल्प

[ग] ईमानदारी [घ] उपरोक्त सभी

।44] कविता में सत्य के अन्वेषक ....हैं ।

[क] विदुर [ख] युधिष्ठिर

[ग] 'क' व 'ख' दोनों [घ] उपरोक्त में से कोई नहीं

[45] इस कविता में मनुष्य के मन की उलझनों व द्वंद्व को अभिव्यक्त किया गया है ।

[क] सही [ख] गलत

[ग] कुछ कहा नही कहा जा सकता [घ] 'ख' व 'ग' दोनों

[46] यह ....कविता है ।

[क] छन्दमुक्त [ख] छंदबद्ध

[ग] तुकांत [घ] उपरोक्त सभी

V. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए पाँच प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए- 1x5=5

संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते। आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है। संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं। गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है। ना आगे नाथ, न पीछे पगहा। बिना मजदूरी लिए ही जो गाँव-गाँव संवाद पहुंचावे, उसको और क्या कहेंगे?........औरतों का गुलाम। जरा- सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे ?

[47]फणीश्वरनाथ रेणु को कहा जाता है-

[क] आत्मा का शिल्पी [ख]आंचलिक कथाकार

[ग] प्रगतिशील विचारधारा समर्थक [घ] उपरोक्त सभी

[48]संवदिया का व्यक्तित्व कैसा होता है?

[क] संवदिया प्रतिभाशाली होते है [ख] संवदिया पेटू आदमी होते हैं

[ग] संवदिया कामचोर होते है [घ]गुणी नही होते

[49] "न आगे नाथ ,न पीछे पगहा" का अर्थ निम्न में से क्या है?

[क] सबका नाथ होना [ख]कोई जिम्मेदारी न होना

[ग]आगे पीछे घूमने वाला [घ] जिम्मेदार व्यक्ति

[50] 'संवदिया' पाठ में संवदिया का क्या नाम है?

[क] हरगोविंद [ख] हरगोबिन

[ग] गोबिंद [घ] उपरोक्त में से कोई नही

[51] संवदिया बनने के लिए अभिनय व संवाद याद रखने जैसे गुण होना वांछनीय है। यह कथन ....है।

[क] सही [ख] ग़लत

[ग] उपरोक्त में से कोई नहीं [घ]असत्य

VI. निम्नलिखित छह भागों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए- 1x4=4

[52] प्रेमघन की छाया स्मृति पाठ -------- विधा में रचित है

[क] जीवनी [ख] संस्मरण

[ग] रेखाचित्र [घ] आत्मकथा

[53] रामचन्द्र शुक्ल की भारतेंदु जी के मकान के नीचे किससे भेंट हुई?

[क] पंडित बद्रीनाथ गौड़ [ख] पंडित केदारनाथ पाठक

[ग] पंडित उमाशंकर द्‌विवेदी [घ] भारतेंदु हरिश्चंद्र

[54] 'घड़ी के पुर्ज़े' लघु निबन्ध का मूल प्रतिपाद्‌य .... है-

[क] घड़ी के पुर्ज़ों के बारे में बताना

[ख] धर्म के बारे में समझाना

[ग] धर्म के उपदेशकों की निंदा करना

[घ] धर्म के रहस्यों को जानने पर धर्म उपदेशकों द्‌वारा लगाए गए प्रतिबन्धों को प्रस्तुत करना।

[55] बालक द्‌वारा 'लड्डू की पुकार' सुनकर लेखक को कैसी अनुभूति हुई ?

[क] जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर

[ख] काठ की अलमारी की खड़खड़ाहट

[ग] बहते हुए झरने का मधुर संगीत

[घ] 'क' व 'ग' दोंनो

[56] 'ढेले चुन लो' लघु निबन्ध में सच्चा प्रेमी किस पेटी को चुनता है?

[क] लोहे की [ख] सोने की चाँदी की

[ग] चाँदी की [घ] लकड़ी की

[57] अंधविश्वासी मान्यताओं पर किस निबन्ध में चोट की गई है ?

[क] ढेले चुन लो [ख] बालक बच गया

[ग] घड़ी के पुर्ज़े [घ] गौशाला की मिट्टी

VII. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए- 1x3=3

[58] रूप सिंह शैला के लिए कौन से फूल लाता था ?

[क] बुरूंस [ख] हरसिंगार

[ग] कुमुद [घ] गुलाब

[59] रूप सिंह 'पहाड़ के रोएँ' किन्हें कहता था ?

[क] चट्टानों को [ख] देवदार के वृक्षों को

[ग] पक्षियों को [घ] चीड़ के वृक्षों को

[60]'सूरदास की झोपड़ी' पाठ में टेनी कौन मारता था?

[क] जगधर [ख] मिठुआ

[ग] भैरों [घ] सूरदास

[61] शहरी जीवन की दिखावट और बनावट को कौन- सी कहानी दर्शाती है?

[क] सूरदास की झोपड़ी [ख] आरोहण

[ग] संवदिया [घ] उपरोक्त सभी

[62] "चूल्हा ठंडा किया होता ,तो दुश्मनों का कलेजा ठंडा कैसे होता" ।यह कथन किसका है?

[क] जगधर [ख] बजरंगी

[ग] नायकराम [घ] सुभागी